मिलंगना नदियों पर बन रहे टिहरी बांध को देखने गए थे ;

(ख) क्या बांध निर्माण कार्य में कोई प्रगति नहीं हुई है यद्यपि उपरोक्त योजना 6 वर्ष पूर्व स्वीकृत हुई थी; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) मनेरी भाली (उत्तर काशी) बांध निर्माण कार्य के सम्बन्ध में वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) उपरोक्त दोनों बांधों के निर्माण पर कुल कितना व्यय आएगा, इससे कितने एकड़ भूमि की सिंचाई होने की संभावना है और कितनी बिजली पैदा होगी ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० के० एल० राव) : (क) जी, हां ।

(ख) टिहरी स्कीम की जांच पड़ताल अभी चल रही है और इसलिए इसे स्वीकृति नहीं दी गई है । अनुसंधान कार्य और अध्ययन होने और परियोजना को स्वीकृति मिलने के पश्चात् ही निर्माण कार्य आरम्भ हो सकता है ।

(ग) मनेरी भाली परियोजना पर प्रारम्भिक कार्य किए जा रहे हैं । 130 किलोवाट का डीजल निर्माण विद्युत् केन्द्र पूर्ण हो गया है । बांध के लिए व्यपवर्तन सुरंग और सर्ज टैंक के लिए पहुंच मार्ग और सुरंग के लिए मध्यवर्ती द्वार पूर्ण हो चुके हैं और ऊपरी विस्तार कक्ष पर कार्य चल रहा है । परियोजना में लगभग दो वर्षों का विलम्ब हो गया है । व्यपवर्तन बांध, सुरंग और विद्युत् केन्द्र के लिए ठेके अभी दिए जाने हैं । विद्युत् केन्द्र के 1975–76 तक चालू होने की सम्भावना है ।

(घ) वर्तमान संकेतों के अनुसार, टेहरी परियोजना पर लगभग 200 करोड़ रुपये व्यय होने की सम्भावना है । और इससे गंगा और आगरा नहर प्रणालियों में लगभग 15 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई होगी तथा 100 मेगावाट जल विद्युत् क्षमता प्रतिष्ठापित होगी ।

मनेरी भाली परियोजना की अनुमानित लागत 17.7 करोड़ रुपये है और इसकी प्रतिष्ठापित क्षमता 105 मेगावाट होगी ।

भारतीय रेलवे में द्वितीय श्रेणी को समाप्त करने के बारे में प्रस्ताव

*643. **श्री फूल चन्द वर्मा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय रेलवे में द्वितीय श्रेणी समाप्त करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन था; और

(ख) यदि हां, तो उस पर क्या निर्णय किया गया है ?

रेल मन्त्री (श्री हनुमंतैया) : (क) जी नहीं; 1962 के बाद कोई नहीं ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

आन्ध्र प्रदेश में विदेशी सहयोग से शराब बनाने के एक कारखाने की स्थापना

*645. **श्री भारत सिंह चौहान** : क्या **औद्योगिक विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय ने आन्ध्र प्रदेश में विदेशी सहयोग से एक शराब बनाने के कारखाने की स्थापना करने की अनुमति दे दी है, जब कि इस सम्बन्ध में जानकारी देश में ही उपलब्ध है;

(ख) क्या समझौते के अनुसार 7.5 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा तकनीकी परामर्श शुल्क और 2.5 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा रायल्टी के रूप में विदेशी सहयोगकर्ता को देनी होगी;